सम्मेलन परीक्षाओं के लिए उपयोगी
हमारे ग्रन्थ
प्रकाशन

१	बृज माधुरीसार की टीका ले० श्री निर्मोही	२—४—०
२	साहित्य निर्माता ले. श्री उपमन्यु	२—०—०
३	चित्रलेखा एक दृष्टि	०—४—०
४	कहानियां एक परिचय	०—१२—०
५	पंचवटी परिचय	०—४—०
६	आलोक हिन्दी शब्द कोष पी. सी. गर्ग कृत — छोटा	४—०—०
	बड़ा	५—०—०
७	हिन्दी साहित्य के इतिहास की रूपरेखा मानचित्र सहित	१—०—०

दीनानाथ बुक डेपो इन्दौर

寄贈 昭和46年度科学研究費…
東外大・東洋文化研
合同海外学術調査団 氏

東京外国語大学
177319
49. 3. 30
図書館蔵書

श्री गणेशाय नमः

राधेश्याम भजनमाला

दोहा—सदा भवानी दाहिने, सन्मुख रहें गणेश।
पाँच देव रक्षा करें, ब्रह्मा विष्णु महेश ॥

❀ भजन ❀

तेरे पूजन को भगवान बना मनमन्दिर आलीशान।
किसने जानी तेरी माया, किसने भेद तुम्हारो पाया॥
हारे ऋषि मुनिकर ध्यान, बना मनमन्दिर आलीशान
तूहीं जलमें तूहीं थलमें, तूहीं मनमें तूहीं वनमें ॥
तेरा रूप अनूप जहान, बना मनमन्दिर आलीशान।
तू हर गुलमें तू बुलबुल में, तू हर डाल के हरपाननमें॥
तू हर दिलमें मूरतिमान, बना मनमन्दिर आलीशान।
तूने राजा रंक बनाये तूने भिक्षुक राज बिठाये॥
तेरी लीला परम महान, बना मनमन्दिर आलीशान।
झूठे जगकी झूठी माया, मूरख इसमें क्यों भरमाया॥
कर कुछ जीवनका कल्याण, बना मनमन्दिर आलीशान